टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी, (भाग–१)

मई २००९ परीक्षा

विषय :विशेष साहित्यकार–उपन्यासकार प्रेमचंद (H-104)

दिनांक : २२/५/२००९ **कुलअंक : १००** **समय : प्रात. १०.०० से दो. १.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) 'प्रेमचंद के प्राय: सभी उपन्यासों में कुछ न कुछ प्रमुख समस्या मिलती है?'– इस कथन की चर्चा कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'नारी समस्या को उजागर करते हुए प्रेमचंद ने नारी के प्रति आत्मीयता प्रकट की है'– इस कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न २. अ) 'प्रेमचंद स्वयं मध्यमवर्ग के प्रतिनिधि रहे तथा अपने उपन्यासों के लिए उन्होंने इसी वर्ग के प्रतिनिधियों को चुन लिया' इस विधान को स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) पठित उपन्यासों के आधार पर बताइए कि आपको कौन–सा चरित्र सब से अच्छा लगा? क्यों?

प्रश्न ३. अ) 'गबन' तथा 'सेवासदन' उपन्यासों के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए । **(२०)**

अथवा

ब) आपके विचार से 'रंगभूमि' तथा 'गोदान' कृति के पीछे प्रेमचंद का मूल उद्देश क्या होगा?

प्रश्न ४. निम्नलिखित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की व्याख्या कीजिए। **(२०)**

१) 'अभी तुम्हारा राज नहीं हक़ तब तो तुम भोग–विलास पर इतना मरते हो, तुम्हारा राज हो जाएगा तब तो तुम गरिबों को पीसकर पी जाओगे।'

२) ' चाहे क्वारी रखिएगा,चाहे विष देकर मार डालिएगा, पर कुपात्र के गले न मढिएगा।'

३) मुझ अभागिन से किसी को सुख नहीं मिला। जिसपर मेरी छाया पडी उसका सर्वनाश हो गया।

४) कान कहता हक़हम तुम आदमी हैं। आदमी वह हक़जिसके पास धन हक़ अख्तियार हक़ इलम हक़ हम लोग तो बल्ल हैं आक़ जुतने के लिए पदा हुए हंक़

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) प्रेमचंदकालीन कुटुंब–व्यवस्था ।
२) उपन्यासों में वर्णित किसान–समस्या।
३) उपन्यासों के प्रमुख नारी –पात्र ।
४) उपन्यासों के नायक ।